**<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>**

**<u>ति3'21/9माह'21 परिणाम - 11 फरवरी 2021</u>**

- **<u>स्टैंडअलोन</u>**
  - **₹2,333 करोड़ का सर्वकालिक उच्च तिमाही पीएटी रिकॉर्ड**
  - ति3'20 से कर पश्चात स्टैंडअलोन लाभ में 39% उछाल । ति3'20 में ₹1,680 करोड़ की तुलना में ति3'21 में ₹2,333 करोड़ पर पीएटी ।
  - 9माह'20 से कर पश्चात स्टैंडअलोन लाभ में 45% उछाल - 9माह'20 में ₹4,220 करोड़ की तुलना में 9माह'21 में ₹6,117 करोड़ पर पीएटी ।
  - ति3'20 में निवल ब्याज आय में 30% वृद्धि - ति3'20 में ₹2,646 करोड़ की तुलना में ति3'21 में ₹3,442 करोड़ निवल ब्याज आय
  - 9माह'20 में निवल ब्याज आय में 34% वृद्धि - 9माह'20 में ₹7,362 करोड़ की तुलना में 9माह'21 में ₹9,879 करोड़ निवल ब्याज आय

  - दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के कारण
    - 9माह'20 से सकल एनपीए अनुपात में 249 बीपीएस की कमी देखी गई। 9माह'20 में 8.34% की तुलना में वर्तमान जीएनपीए अनुपात 5.85% पर ।
    - 9माह'20 से निवल एनपीए अनुपात में भी 164 बीपीएस की कमी देखी गई। 9माह'20 में 3.94% की तुलना में वर्तमान निवल एनपीए अनुपात 2.30% ।

  - एक चुनौतीपूर्ण परिचालन वातावरण में भी, प्रमुख वित्तीय संकेतक लगातार 3 तिमाहियों के लिए स्थिर सीमा के भीतर बने रहे। ति3'21 प्रतिफल 10.68% पर है और निधि की लागत 7.48% है जो कि प्रतिफल और निधि की लागत में दक्षता से प्रेरित है, ति3'21 के लिए 3.63% पर परिसंपत्ति अर्जन पर निवल ब्याज मार्जिन ति320 में 3.28% से 35 बीपीएस बेहतर हुआ है ।

  - पर्याप्त कुशन और निर्धारित नियामक सीमाओं के ऊपर 20.21% पर सुविधापूर्ण पूंजी पर्याप्तता स्तर
  - यह तिमाही सभी पिछले वादों को पूरा करने के बारे में रही है और कठिन परिचालन वातावरण के बावजूद, पीएफसी अपने वादों को पूरा करने और एक सुदृढ़ कार्य-निष्पादन में सफल रही है।

- **<u>समेकित</u>**

**<u>ति3'21 बनाम ति3'20</u>**

- ति3'20 से कर पश्चात समेकित लाभ में 17% वृद्धि - ति3'20 में ₹3,387 करोड़ की तुलना में ति3'21 में ₹3,963 करोड़ पर पीएटी
- परिचालन से समेकित राजस्व में 16% वृद्धि - ति3'20 में ₹15,873 करोड़ की तुलना में ति3'21 में ₹18,435 करोड़ पर समेकित राजस्व
- दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के कारण समेकित निवल एनपीए अनुपात में ति3'20 में 3.56% से ति3'21 में 2.12% कमी
- दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के कारण समेकित सकल एनपीए अनुपात में ति3'20 में 7.41% से ति3'21 में 5.48% कमी

➢ **<u>आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत डिस्कॉम (मों) को लिक्विडिटी सहायता</u>**

- भारत सरकार द्वारा घोषित आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत डिस्कॉम (मों) को लिक्विडिटी सहायता के तहत, पीएफ़सी एवं उसकी सहायक कंपनी आरईसी दोनों ने मिलकर अभी तक ₹1,35,497 करोड़ की संस्वीकृति एवं ₹46,074 करोड़ का संवितरण किया ।

➢ **<u>प्रबंधन टिप्पणी</u>**

- **श्री आर.एस. ढिल्लों, सीएमडी की टिप्पणी** - पीएफसी के सीएमडी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि पीएफसी ने अब तक उच्च स्तर के रेज़िल्यन्स के साथ महामारी का अच्छी तरह से निपटान किया है। इस तिमाही के नतीजे इसका प्रमाण हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था सुधार की राह पर लौटने के साथ, मैं भारतीय विद्युत क्षेत्र में सुधार के बारे में सकारात्मक महसूस करता हूं। मेरा मानना है कि आकर्षक विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए पीएफसी एक मजबूत वित्तीय स्थिति में है ।

- **श्रीमती प्रमिन्द्र चोपड़ा, निदेशक (वित्त) की टिप्पणी** - पीएफसी की निदेशक (वित्त) ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि तीसरी तिमाही पीएफसी के लिए उत्कृष्ट रही है और तिमाही लाभ अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। हमारे समग्र ति3 परिणाम निरंतर चुनौतीपूर्ण वातावरण में मजबूत परिचालन शक्ति और पीएफसी की ठोस बुनियादी बातों को दर्शाते हैं।

***

**हस्ता-/**
**(एस.एस.राव)**
**वरिष्ठ महाप्रबंधक (पीआर)**